आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–10 नवम्बर 2025 भोजपुरी समाचार

सरदार वल्लभ भाई पटेल क एक सौ पचासवीं जयंती के मौका पर गोरखपुर में एकता यात्रा अउर राष्ट्र गीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन बदे आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कहलें कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम क गायन उत्तर प्रदेस के हर स्कूल, हर सिक्षण संस्थान में जरूरी करबि। कार्यक्रम में मौजूद आमजन सामूहिक रूप से वंदे मातरम क गायन कइलें। येह मौका पर उहां के कहलीं कि देस के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनले के बाद एकतीस अक्टूबर राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनावल सुरू भइल हवे।

याद करिए जब गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में आदरणीय प्रधानमंत्री जी कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने नर्मदा नदी पर जो सबसे बड़ा डैम बनाया था। उसका नाम सरदार सरोवर रखा। सरदार सरोवर डैम के माध्यम से उन्होंने एक ऐसे स्थल को जो विराट था आज देश और दुनिया का एक बेहतरीन टुरिज्म के डिस्कनेशन के रूप में स्थापित कर दिया। कारण है लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जो प्रतिमा है दुनिया की जीतनी भी प्रतिमाएं अब तक बनी है उन सब में सबसे विशाल और विराट प्रतिमा केवडिया गुजरात में सरदार सरोवर के तट पर लगी है। ये प्रतिमा यूनिटी ऑफ स्टेचू है। भारत की एकता की मूर्ति है जो लौह पुरूष के रूप में जो पूरे भारत को मार्ग दर्शन दे रहा है।

येह मौका पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अगुवाई में गोरखपुर के नगर निगम परिसर से एकता जतरा निकारल गइल। ई जतरा गोलघर, धर्मशाला पुल अउर असुरन चौक होत गीता वाटिका पहुंचल।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दरसन में लोगिन से मोलाकात कइ के ओनकर समेस्या सुनलें। श्री योगी जन समेस्या के जुरूते अउर परभावी समाधान खातिर जुड़ल अधिकरियन के निरदेस दिहलें।

****

देस अपने राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम क एक सौ पचासवीं वर्षगांठ मना रहल हवे। आजु हम बता रहल हईं कि वंदे मातरम क भावना भारत के सीमा से परे जाके दुनियाभर के क्रान्तिकारियन के स्वतंत्रता संग्राम खातिर कइसे प्रेरित कइलस। एगो रिपोर्ट–

वंदे मातरम का जोशीला नारा भारत की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा। बल्कि समुद्रों और महाद्वीपों को पार करते प्रवासी भारतीयों में भी देशभक्ति की लौ जलाता रहा है। 22 अगस्त 1907 में स्वतंत्रता सेनानी मैडम भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टटगार्ट में विदेशी धरती पर पहली बार भारतीय तिरंगा झंडा फहराया था। इस ऐतिहासिक घटना ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित किया। मैडम कामा और श्यामजी कृष्ण वर्मा द्वारा डिजाइन किए गए ध्वज पर वंदे मातरम अंकित था। ठीक दो साल बाद 1909 में, क्रांतिकारी मदन लाल ढींगरा को ब्रिटिश शासन के खिलाफ उनके कार्य के लिए लंदन में फांसी दे दी गई। उसने अंतिम शब्द थे वंदे मातरम। इन शब्दों ने देश के लिए बहादुरी और बलिदान का शाश्वत संदेश दिया। इसी वर्ष, पेरिस के भारतीय देशभक्तों ने वंदे मातरम् नामक एक पत्रिका शुरू की, जिसने दुनियाभर में भारत की स्वतंत्रा और एकता का संदेश फैलाया। इसके बाद अक्टूबर 1912 में गोपाल कृष्ण गोखले ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में कदम रखा। जहां उसका स्वागत वंदे मातरम के जयकारों से भव्य जुलूस द्वारा किया गया और इसी प्रकार यूरोप से लेकर अफ्रीका तक, वंदे मातरम भारत के संघर्ष की धड़कन बन गया। आकाशवाणी समाचार के लिए मैं, आनंद पाठक।

****

श्रीराम मंदिर निरमाण समिति क अध्यक्ष नृपेन्द्र मिश्र आजु कहलें कि पचीस नवंबर के राम मंदिर के सिखर पर ध्वजारोहण क कार्यक्रम आयोजित होई। एकरे खातिर रक्षा मंत्रालय के विसेसज्ञन क मदद लिहल जा रहलि हौ, जवने से कउनहू तकनीकी बाधा से बचल जा सके। उहां के कहलीं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंदिर परिसर के सातो सिखर पर ध्वज फहरहिहें। ई कार्यक्रम करीब तीन घंटा क होई।

****

नरेन्द्र मोदी सरकार की ओरि से कई गो क्षेत्रन में जीएस दर घटवले के बादे, बाइस सितंबर के सुरू भइल जीएसटी बचत उत्सव से देस भर के नागरिकन के फायदा हो रहल बा। आजु के कड़ी में हम आपके बता रहल हईं कि अगिला पीढ़ी के जीएसटी सुधारन से स्टेसनरी क्षेत्र के कइसे बढ़ावा मिलि रहल हौ। एगो रिपोट–

पेंसिल, रबर, सार्पनर, नोटबुक, ग्राफ बुक आ मानचित्र जइसन स्टेसनरी समानन पर टेक्स क दर पहिले के बारह फीसदी से घटा के सुन्न कइ दीहल गइल हौ। येही तरियन रबर पर जीएसटी क दर के पहिले के पांच फीसदी से घटा के कर मुक्त कइ दीहल गइल बा। एकरे अलावा ज्योमेट्री, बॉक्स, कलर बॉक्स आ पाउच जइसन समानन पर जवन पहिले बारह फीसदी टेक्स लागत रहे अब पांच फीसदी कइ दीहल गइल बा। येह क्षेत्र में टेक्स कटउती से छात्रन पर वित्तीय बोझ कम हो रहल बा। आकाशवाणी दिल्ली से दृष्टि पुन्यानी के रिपोर्ट के साथे समाचार कक्ष से प्रेम चन्द्र गुप्ता।

****

बनारस के छावनी स्थित रणबांकुरे स्टेडियम में लगतारे तिसरको दिन्ने आजु अग्निवीर भरती रैली आयोजित भइल। भरती प्रक्रिया के तहत टेक्निकल पद खातिर कुलि एक हजार बावन अभ्यर्थिन के बोलावल गइल रहल। येह में से आठ सौ छांछठ अभ्यर्थी दौड़ में हिस्सा लिहलें अउर तीन सौ ओनचास अभ्यर्थी सफल घोसित कइल गइलें।

****